ALIVE NEWS
अलाईव न्यूज
Any Enquiry Cont. : 0129-4070270
खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 15 Issue No. 13 Faridabad (NCR) | Saturday, 01-15 August 2026 | Rate : 2/- | RNI No. : HARBIL/2012/45536 | Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/24-26 | Page : 8

ध्वजारोहण या ध्वज फहराना : 80वें स्वतंत्रता दिवस पर जानिए दोनों में फर्क

15 अगस्त 2026 का दिन प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव, उत्साह और देशभक्ति का अवसर है। इस वर्ष हम भारत की स्वतंत्रता की 79वीं वर्षगांठ पूरी होने के बाद 80वाँ स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। पाठक जानते हैं कि 15 अगस्त 1947 को भारत ने औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की थी और इसी ऐतिहासिक दिन की स्मृति में प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है।स्वतंत्रता दिवस का सबसे महत्वपूर्ण और भावनात्मक क्षण राष्ट्रीय ध्वज से जुड़ा होता है। तिरंगा केवल तीन रंगों से बना एक ध्वज नहीं, बल्कि यह भारत की स्वतंत्रता, संप्रभुता, एकता, विविधता और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का प्रतीक है। भारत का वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था। जब 15 अगस्त को तिरंगा आकाश में लहराता है, तो उसके साथ करोड़ों भारतीयों की आशाएं, आकांक्षाएं और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध भी जुड़ जाता है।

राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े नियमों में समय के साथ महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। 26 जनवरी 2002 से भारतीय ध्वज संहिता में बदलाव कर नागरिकों को अपने घर, कार्यालय और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अधिकार दिया गया। इससे पहले आम नागरिकों के लिए राष्ट्रीय ध्वज फहराने पर कई प्रतिबंध थे। बाद में 30 दिसंबर 2021 के संशोधन के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण में हाथ से काते और हाथ से बुने कपड़ों के साथ-साथ मशीन से बने कपास, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम और खादी के बंटिंग के उपयोग की अनुमति दी गई। इस प्रकार अब केवल खादी से बने ध्वज तक यह व्यवस्था सीमित नहीं रही।इसके बाद 20 जुलाई 2022 को भारतीय ध्वज संहिता में एक और महत्वपूर्ण संशोधन किया गया। इसके तहत किसी नागरिक के घर पर राष्ट्रीय ध्वज को दिन और रात दोनों समय फहराने की अनुमति दी गई। इसलिए सूर्यास्त के बाद घर पर तिरंगा उतारना अनिवार्य नहीं है। हालांकि, रात में ध्वज फहराते समय उसकी गरिमा और सम्मान का पूरा ध्यान रखना आवश्यक है। राष्ट्रीय ध्वज साफ-सुथरा, सही स्थिति में और सम्मानजनक एवं प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित होना चाहिए। केसरिया पट्टी हमेशा ऊपर की ओर होनी चाहिए और ध्वज उल्टा नहीं लगाया जा सकता। ध्वज फटा, मैला या अस्त-व्यस्त नहीं होना चाहिए तथा उसे जमीन, फर्श या पानी को स्पर्श नहीं करना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग सजावट, झालर, बंटिंग आदि के रूप में नहीं किया जा सकता।आज अधिकार और जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाते हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह अभियान तिरंगे को केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित रखने के बजाय प्रत्येक नागरिक के घर और जीवन से जोड़ने का माध्यम बना है। हालांकि, यहां यह समझना भी जरूरी है कि 'ध्वजारोहण' और 'ध्वज फहराना' शब्दों का प्रयोग अक्सर एक-दूसरे के स्थान पर कर दिया जाता है, लेकिन इनके अर्थ और परंपरागत प्रयोग में अंतर है। ध्वजारोहण का शाब्दिक अर्थ है-ध्वज को नीचे से ऊपर उठाकर निर्धारित ऊंचाई तक ले जाना और

स्थापित करना। वहीं ध्वज फहराने का आशय है-पोल के ऊपर स्थित ध्वज को खोलकर अथवा फैलाकर हवा में लहराना। इस दृष्टि से दोनों क्रियाओं की प्रकृति अलग है। भारत के राष्ट्रीय पर्वों में इस अंतर को समझने के लिए 15 अगस्त और 26 जनवरी का उदाहरण सबसे उपयुक्त है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। इसके विपरीत 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण करते हैं। इसलिए सामान्यतः कहा जाता है कि 15 अगस्त को ध्वज फहराया जाता है और 26 जनवरी को ध्वजारोहण किया जाता है।इसके पीछे दोनों राष्ट्रीय पर्वों की ऐतिहासिक परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण हैं। 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ था। उस समय ब्रिटिश शासन के प्रतीकात्मक रूप से हटने और स्वतंत्र भारत के उदय का संदेश देते हुए तिरंगे को ऊपर फहराया गया। दूसरी ओर, 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और देश एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसलिए गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति द्वारा ध्वजारोहण की परंपरा स्थापित हुई। हालांकि सामान्य बोलचाल में 'ध्वजारोहण' और 'ध्वज फहराना' कई बार समान अर्थ में प्रयुक्त होते हैं और सरकारी अथवा सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी दोनों शब्द सुनने को मिल सकते हैं। लेकिन राष्ट्रीय पर्वों की विशिष्ट संवैधानिक एवं ऐतिहासिक परंपरा को ध्यान में रखते हुए 15 अगस्त के लिए 'राष्ट्रीय ध्वज फहराना' और 26 जनवरी के लिए 'राष्ट्रीय ध्वजारोहण' कहना अधिक सटीक और प्रचलित है। भारत सरकार के राष्ट्रीय पोर्टल पर भी स्वतंत्रता दिवस के संदर्भ में 15 अगस्त के अवसर पर तिरंगे के फहराने और ध्वज-समारोह का उल्लेख मिलता है।

दरअसल, तिरंगे का फहरना केवल एक औपचारिक क्रिया नहीं है। यह उस संघर्ष की याद दिलाता है जिसमें असंख्य ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। जब तिरंगा हवा में लहराता है, तो उसमें शहीद भगत सिंह का साहस, महात्मा गांधी का सत्य और अहिंसा का संदेश, सुभाष चंद्र बोस का अदम्य राष्ट्रवाद, सरदार पटेल का राष्ट्रीय एकीकरण और असंख्य वीरों का त्याग दिखाई देता है। यही कारण है कि स्वतंत्रता दिवस का ध्वज समारोह भारतीय जनमानस के लिए अत्यंत भावनात्मक महत्व रखता है।

80वाँ स्वतंत्रता दिवस इसलिए भी विशेष है कि यह हमें केवल अतीत का गौरव याद करने का अवसर नहीं देता, बल्कि भविष्य के भारत के निर्माण का संकल्प भी कराता है। स्वतंत्रता केवल विदेशी शासन से मुक्ति का नाम नहीं; वास्तविक स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब देश का प्रत्येक नागरिक समान अवसर, सम्मान, सुरक्षा और विकास का अनुभव करे। तिरंगे के नीचे खड़े होकर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

अंततः यही कहना उचित होगा कि 15 अगस्त का तिरंगा हमें संदेश देता है कि स्वतंत्रता बड़ी कीमत पर मिली है और इसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। ध्वज का फहरना हमारे स्वतंत्र अस्तित्व का प्रतीक है, जबकि उसके प्रति सम्मान हमारी राष्ट्रीय चेतना का परिचायक है। इस 80वें स्वतंत्रता दिवस पर आइए, तिरंगे को केवल सलामी ही न दें, बल्कि उसके मूल्यों-एकता, अखंडता, समानता, त्याग और राष्ट्रप्रेम को अपने जीवन में उतारने का संकल्प भी लें। जय हिंद! जय भारत!

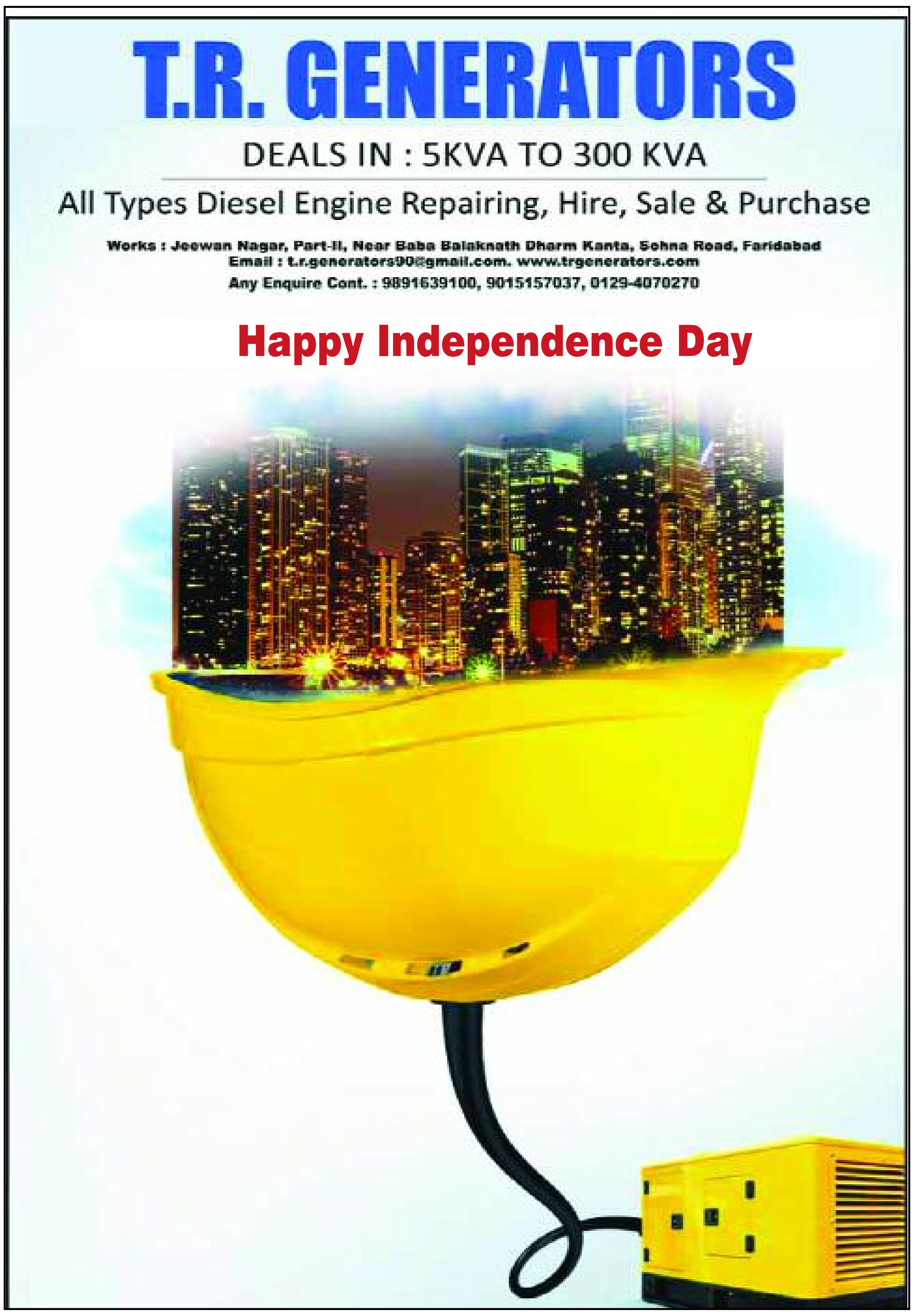
T.R. GENERATORS
DEALS IN : 5KVA TO 300 KVA
All Types Diesel Engine Repairing, Hire, Sale & Purchase
Works : Jeewan Nagar, Part-II, Near Baba Balaknath Dharm Kanta, Sohna Road, Faridabad
Email : t.r.generators90@gmail.com. www.trgenerators.com
Any Enquire Cont. : 9891639100, 9015157037, 0129-4070270
Happy Independence Day

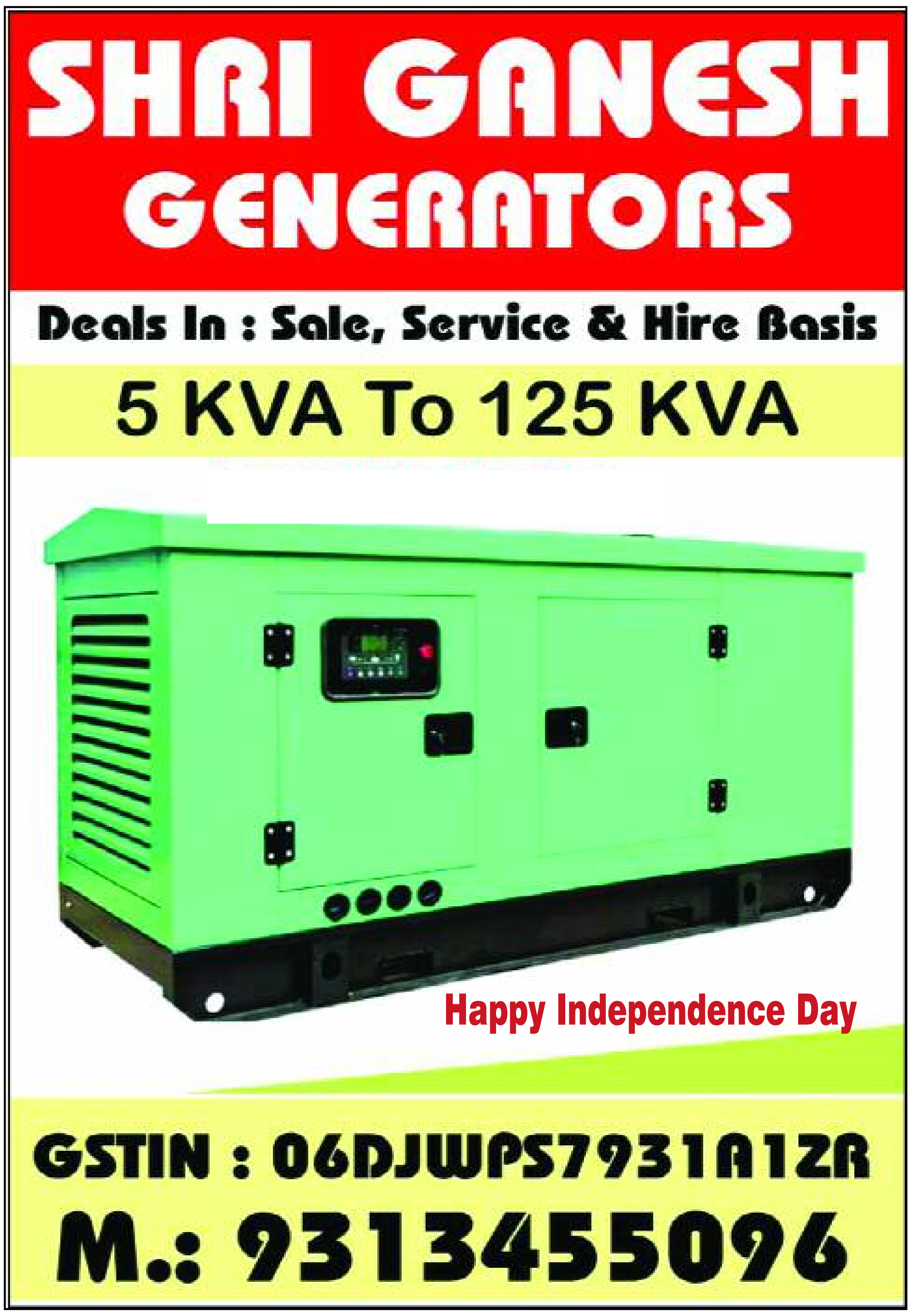
SHRI GANESH GENERATORS
Deals In : Sale, Service & Hire Basis
5 KVA To 125 KVA
Happy Independence Day
GSTIN : 06DJWPS7931A1ZR
M.: 9313455096

GIVING EDUCATION SINCE 1999
WE ARE HERE TO MAKE YOUR CHILD BETTER
Shalleen Kaushik
Managing Director
Sarvottam Public School
Spreading Excellence
Sarvottam Public School
Spreading Excellence
Permanent Recognised school upto 10+2
Arts, Science & Commerce
Salient Features
Total English Medium Pattern.
Extensive Playground with sports Facility.
Ideal Student-Teacher Ratio.
CCTV Surveillance.
Overall Personality.
Development of Student.
Providing Practical Computer Knowledge.
Calm & Green Environment.
Our teachers are well Qualified and Experienced.
Development Sessions for Students.
Special Concession for Girl Child & Meritorious Students.
Our Teachers Focus on holistic Development.
Computer Lab and Science Lab.
Sports Classes (karate, Kho-Kho, Table Tennis, Badminton, Chess and Carrom).
10th and 12th board classes 100% result.
Transport Facility Available.
ADMISSION OPEN
2026-27
Happy Independence Day
Contact Us : 8796043400, 9958761929
SARVOTTAMPUBLICSCHOOL
WWW.SARVOTTAMPUBLICSCHOOL.COM

URMILA PUBLIC SR. SEC. SCHOOL
Affiliated to C.B.S.E. (10+2)
D-II/66, Sanjay Colony, Sector-23, Faridabad (Hr.)
Ph. : 0129-6464049, 2231616
URMILA VIDYA NIKETAN SCHOOL
10th Affiliated to C.B.S.E
Parvatiya Colony, Faridabad, M. : 9873995242
HAPPY Independence DAY
Admission Open 2026-27
Salient Features :-
Play way methods for natural growth of children.
Well qualified and caring teaching staff.
Well equipped Science & Computer labs.
Sports & Cultural Activities.
Builds confidence and communication skills by various
Curricular and co-curricular activities.
Ample emphasis on moral development and character building.
24x7 power backup facility available.
Mrs. Urmila Sharma
Director
Mrs. Jyoti Sharma
Principal
M.Sc. (Maths) B.Ed.

FMS Organises Seminar on Students' Mental Well-Being

Faridabad/Alive News

Mental health professionals interacting with students during the Mental Well-Being Seminar at Faridabad Model School.

Faridabad/Alive News: Faridabad Model School (FMS) organised a seminar on Students' Mental Well-Being for students of Classes IX to XII to promote awareness about mental health, emotional resilience, and stress management. The informative session witnessed enthusiastic participation from students, teachers, and faculty members.

The seminar was conducted by experienced mental health professionals and counsellors Ms. Aparna Jha and Ms. Shalu, who addressed common challenges faced by students, including academic pressure, stress, anxiety, and the importance of maintaining a healthy balance between studies and personal life.

The experts shared practical techniques to help students manage stress, improve emotional well-being, and seek timely support whenever required. They also highlighted that mental health is as important as physical health and encouraged students to build a supportive and positive environment for one another.

The session featured interactive activities, group discussions, and a question-and-answer segment, allowing students to openly discuss their concerns and learn effective coping strategies in a safe and encouraging atmosphere.

Academic Director Ms. Shashi Bala appreciated the initiative and reaffirmed the school's commitment to the holistic development of students. The seminar concluded with a vote of thanks, leaving participants better informed, confident, and motivated to prioritise their mental well-being.

अग्रसेन प्रीमियर लीग 2026 का आयोजन

Faridabad/Alive News

महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर ग्रेटर फरीदाबाद स्थित अग्रवाल वैश्य परिवार और अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन ने मिलकर सेक्टर 12 स्थित सेंट्रल पार्क में अग्रसेन प्रीमियर लीग 2026 के 20-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया। जिसमें हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल मुख्य अतिथि रहे।

उन्होंने कहा कि खेल समाज को जोड़ने का सबसे अच्छा माध्यम है और अग्रसेन प्रीमियर लीग युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक मेलजोल की भावना को मजबूत करेगी। इस कार्यक्रम में अग्रसेन प्रीमियर लीग के थीम सोंग का भी इनॉगुरेशन किया गया। इस दौरान सभी अतिथियों ने इसकी सराहना करते हुए समाज में युवाओं को जोड़ने वाली प्रेरणादायक पहल बताया।इस अवसर पर सेवा राम गुप्ता, के. के. बंसल, अमर बंसल, जय प्रकाश गुप्ता और नवीन गोयल सहित कई प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे।

Rotary Club Aastha Launches 'Sukanya Samridhi Sankalp' to Support Girls' Education

Faridabad/Alive News

Rotary Club Aastha, Faridabad, launched the first phase of its flagship initiative, 'Sukanya Samridhi Sankalp,' at Faridabad Model School to promote girls' education through financial assistance, counselling, and mentorship.

The programme aims to provide deserving girls with the support they need to continue their education. Along with financial aid, beneficiaries will receive regular counselling and guidance to boost their confidence, mental well-being, and decision-making skills.

The inaugural event witnessed enthusiastic participation from students, parents, and members of Rotary Club Aastha. Club members Rtn. Umang Malik, Rtn. Neeraj Bhutani, Rtn. Gautam Malhotra, Rtn. Vidit Mittal, Rtn. Prateek Gupta, Rtn. Raj Bhatia, Rtn. Anmol Jindal, Rtn. Karun Gupta, Rtn. Ritesh Gupta, Mrs. Shreya Malik, Adv. Ruchi Gupta, and Dr. Dipti Gupta emphasized that empowering girls through education is essential for building a stronger and more inclusive society.

The club representatives said that 'Sukanya Samridhi Sankalp' is more than a financial assistance programme. It is a long-term initiative focused on the overall development of young girls through regular counselling sessions, motivational interactions, and mentorship from experienced professionals, helping them overcome challenges and achieve their full potential. The event concluded with Rotary Club Aastha reaffirming its commitment to expand the programme in the coming phases, enabling more deserving girls to benefit from educational support and mentorship while contributing to the development of an educated, confident, and empowered generation of young women.

Ideal School Celebrates Rainy Day with Joyful Kindergarten Activities

Faridabad/Alive News

Ideal Public School, Agwanpur, celebrated Rainy Day with great enthusiasm in its Kindergarten section, making learning both fun and meaningful for the young students.

The tiny tots arrived dressed in colourful raincoats and carried vibrant umbrellas, creating a lively and cheerful atmosphere across the campus. The celebration featured a variety of engaging activities, including monsoon-themed songs, rhymes, dance performances, and interactive sessions that kept the children excited throughout the event.

Teachers explained the importance of the rainy season, highlighting topics such as water conservation and the role of rainfall in sustaining plants, animals, and human life. Through these activities, students gained a better understanding of nature and the environment in an enjoyable way. The Rainy Day celebration not only brought smiles to the children's faces but also encouraged them to appreciate the beauty of nature while fostering environmental awareness from an early age.

Manav Sanskar Public School Celebrates Guru Purnima with Great Enthusiasm

Faridabad/Alive News

Students of Manav Sanskar Public School performing Guru Vandana during the Guru Purnima celebration.

Faridabad/Alive News: Manav Sanskar Public School celebrated Guru Purnima with great enthusiasm and devotion, honoring the invaluable role of teachers in shaping students' lives. The celebration began with a special morning assembly dedicated to expressing gratitude towards teachers, who serve as guiding lights for their students.

The program commenced with the traditional lighting of the ceremonial lamp, followed by a soulful Guru Vandana. Students from different classes presented speeches, recited dohas, and performed devotional songs, highlighting the significance of Guru Purnima and the importance of teachers in Indian culture. Their performances reflected deep respect and appreciation for their mentors.

On the occasion, Ms. Rupam delivered an inspiring address, encouraging students to value knowledge, wisdom, and the lifelong guidance of teachers. As a token of love and gratitude, students also presented appreciation gifts to their teachers.

Addressing the gathering, Principal Ms. Pooja Rani emphasized the pivotal role teachers play in nurturing young minds and urged students to always respect and cherish their mentors.

Director Mr. Yogesh Sharma also spoke to the students, explaining the importance of gurus at every stage of life and encouraging them to uphold the values of the Guru-Shishya tradition.

The celebration concluded on a heartwarming note, creating an atmosphere filled with respect, gratitude, and joy while reinforcing the timeless bond between Guru and Shishya.

पूर्व मंत्री के बेटे रघू प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों को भेंट किये 51 हजार रूपये की सहयोग राशि

Faridabad/Alive News

गांव नेकपुर में ओपन कब्बडी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा के पूर्व मंत्री महेन्द्र प्रताप सिंह के सुपुत्र रघूप्रताप सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। इस अवसर पर गांव नेकपुर के मौजिज लोगों ने एवं ओपन कबडडी प्रतियोगिता के आयोजकों ने रघूप्रताप सिंह का फूल मालाओं एवं पगड़ी बांध कर भव्य स्वागत किया। रघुप्रताप सिंह ने ओपन कब्बडी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों से हाथ मिला कर उनका हौंसला अफजाई की और खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि खेलों के आयोजनों से युवाओं के मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है साथ ग्रामीण अंचलों से प्रतिभाएं निकल कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन करती हैं। इस दौरान श्री रघूप्रताप सिंह ने खिलाड़ियों को 51 हजार रूपये की सहयोग राशि भेंट की। ओपन कब्बडी प्रतियोगिता का आयोजन रविन्द्र पहलवान द्वारा किया गया।

इस अवसर पर शेखर सरपंच, अमर, भगत सिंह, रविन्द्र पहलवान सहित सैकड़ों की तदाद में मौजिज लोग उपस्थित थे।

Faridabad Model School Celebrates 28th Investiture Ceremony

Faridabad/Alive News

Student Council members taking oath during the 28th Investiture Ceremony at Faridabad Model School, Sector-31.

Faridabad/Alive News: Faridabad Model School, Sector-31, celebrated its 28th Investiture Ceremony with enthusiasm, reaffirming its commitment to developing leadership and responsibility among students. The event was attended by Mr. A.K. Malik, Managing Director, FMS Managing Committee, Rtn. H.S. Malik, Chairman, FMS, along with other distinguished guests, school management members, Academic Director Mrs. Shashi Bala, Director Mr. Umang Malik, and Principal Mrs. Nivedita Chatterjee.

The programme began with the ceremonial lighting of the lamp and a welcome song. Students also presented an impressive Inter-House Group Dance Competition, "Samriddhi Kshitij – The Horizons of Prosperity," highlighting India's cultural heritage, unity, innovation, and progress. The newly elected Student Council 2026–27 was formally inducted, with Head Boy Vivaan Mehta and Head Girl Lavanya Verma taking the oath of office along with the council members. The school's Interactors were also felicitated and reaffirmed their commitment to the Rotary motto, "Service Above Self."

The ceremony concluded with the National Anthem, inspiring the student leaders to serve the school with dedication, integrity, and responsibility.

FMS CBSE Toppers Honoured with 'Sahodaya Utkrisht Puraskar-2026'

Faridabad/Alive News

The CBSE Class X and XII Board Examination toppers of Faridabad Model School (FMS) were honoured with the prestigious 'Sahodaya Utkrisht Puraskar-2026' at a grand felicitation ceremony organised by the Sahodaya School Complex The awards were presented by Justice Girish Kathpalia, Judge of the Delhi High Court. The event was also graced by renowned author and poet Dr.

Dinesh Raghuvanshi, along with dignitaries from HPSC, Sahodaya School Complex, and principals from various schools across Faridabad. FMS Director-Principal Mr. Umang Malik attended the ceremony and congratulated the students on their exceptional academic achievements. He applauded their dedication, perseverance, and consistent hard work, encouraging them to continue striving for excellence in all future endeavours.

The ceremony was organised to recognise and celebrate the outstanding performance of students in the CBSE Class X and XII Board Examinations. It also acknowledged the collective efforts of school principals, teachers, parents, and students, whose commitment, guidance, and support played a vital role in achieving these remarkable results.

The event concluded on a celebratory note, inspiring students to continue their pursuit of academic excellence while bringing pride to their school and the city of Faridabad.

Editorial

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

तिलक राज शर्मा
संपादक

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।

भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

संपादकीय

भाजपा को झटका

विधानसभा के हालिया उपचुनावों के जो परिणाम सामने आए हैं, वे निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी के माथे पर शिकन लाने वाले कहे जा सकते हैं। बिहार जहां भाजपा के नेतृत्व में गठबंधन सरकार है और पहली बार उसका मुख्यमंत्री बना है, वहां हाईप्रोफाइल बांकीपुर उपचुनाव में उसे हार का सामना करना पड़े तो इसको लेकर पार्टी की फिक्र बढ़ना लाजमी ही है। पिछले बिहार विधानसभा चुनावों में नई-नवेली बनी जन सुराज पार्टी यानी जे.एस.पी की करारी हार हुई थी। उस हार से सबक लेकर जेएसपी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ताल ठोककर बांकीपुर उपचुनाव मैदान में उतरे थे। इस तरह प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में अच्छी जीत हासिल करके भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने में कामयाबी हासिल कर ही ली। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये चुनाव परिणाम और भी अधिक कष्टदायक होगा, क्योंकि यह पार्टी के खाते वाली सीट थी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन के राज्यसभा के लिये चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। जाहिर तौर पर यह सामान्य विधानसभा सीट नहीं थी, इसको फिर से हासिल करना भाजपा की प्राथमिकता भी रही होगी। कमोबेश भाजपा के लिये ऐसी ही निराशाजनक खबरें अन्य राज्यों से भी आई हैं। लंबे समय से भाजपा का गढ़ माने जाने वाले एक और राज्य मध्यप्रदेश में भाजपा उम्मीदवार को हार मिली। मध्य प्रदेश की दतिया सीट कांग्रेस ने कब्जा ली है। दरअसल, इस सीट में उपचुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर खासा बवाल हुआ था। पिछली भाजपा सरकार में इस सीट से एक दिग्गज मंत्री बने थे। इस बार उनको टिकट न मिलने पर उग्र प्रदर्शन व धरने हुए थे। इस बड़े विवाद का फायदा कांग्रेस के प्रत्याशी को हुआ। हां, भाजपा के लिए एक सुकूनभरी खबर गुजरात से आई। पार्टी के इस परंपरागत गढ़ में उपचुनाव के बाद, वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर पार्टी ने अपना कब्जा बरकरार रखा। बहरहाल, बिहार में बांकीपुर सीट को खो देना भाजपा को परेशान करने वाला जरूर है। बांकीपुर का बदला जनादेश न सिर्फ नितिन नवीन के लिये, बल्कि बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिये भी असहज करने वाली स्थिति है। दरअसल, प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर ने स्थानीय मुद्दों के साथ मुख्यमंत्री पर तीखे हमले किये थे। उन्होंने राज्य में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों को लगातार विभिन्न मंचों से उठाया था। जाहिर है अब मुख्यमंत्री को पार्टी के भीतर ही जवाबदेही को लेकर मुश्किल स्थिति का सामना करना होगा।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अतः निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

मुद्दों से क्यों भटका छात्र आंदोलन?

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकतंत्र में आंदोलन केवल विरोध का माध्यम नहीं होते, बल्कि जनता की भावनाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को शासन तक पहुँचाने का सशक्त साधन भी हैं। इतिहास गवाह है कि अनेक आंदोलनों ने देश की नीतियों में परिवर्तन कराया, सामाजिक सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया और शासन को जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। किंतु पिछले कुछ वर्षों में एक ऐसी प्रवृत्ति भी देखने को मिली है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। अनेक आंदोलन अपने मूल उद्देश्य से भटककर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन जाते हैं। परिणामस्वरूप जिस समस्या के समाधान के लिए आंदोलन शुरू होता है, वही धीरे-धीरे चर्चा के केंद्र से बाहर हो जाती है।

नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रिया को लेकर उठे विवाद ने देशभर के लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को चिंतित किया। यह केवल एक परीक्षा का प्रश्न नहीं था, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और युवाओं के भविष्य का विषय था। इसलिए स्वाभाविक रूप से छात्रों ने निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और पारदर्शी व्यवस्था की मांग की। यह एक ऐसा मुद्दा था, जिस पर राजनीति से ऊपर उठकर सभी पक्षों को विद्यार्थियों के हित में एकमत दिखाई देना चाहिए था। लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के चलते यह आंदोलन दिशा से भटकता हुआ दिखाई दिया।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से जवाब मांगे और जनहित के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से उठाए। इसी प्रकार सरकार का दायित्व है कि वह हर गंभीर आरोप की निष्पक्ष जांच कराए, दोषियों को दंडित करे और जनता का विश्वास बनाए रखे। लेकिन जब आंदोलन का केंद्र समाधान के बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप बन जाता है, तब मूल मुद्दा पीछे छूटने लगता है।

यह भी देखा गया है कि कई बार अलग-अलग राज्यों में समान प्रकृति की घटनाओं पर राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग होती हैं। इससे जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीतिक दल सभी मामलों में एक समान सिद्धांत अपनाते हैं, या उनका रुख राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार बदल जाता है? लोकतंत्र में जनविश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि सार्वजनिक हित के मुद्दों पर राजनीतिक दलों का आचरण अधिक सुसंगत और सिद्धांत आधारित दिखाई दे।

यह प्रश्न केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं है। आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठनों और नागरिक समूहों की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। यदि आंदोलन का उद्देश्य किसी समस्या का समाधान है, तो उसे उसी लक्ष्य पर केंद्रित रखना चाहिए। आंदोलन में अनावश्यक राजनीतिक ध्रुवीकरण या विषयांतर से बचना आवश्यक है, क्योंकि इससे समाधान की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के कारण उसका दायित्व है कि वह मूल मुद्दे को केंद्र में रखे। यदि समाचारों और बहसों में वास्तविक समस्या की अपेक्षा राजनीतिक टकराव अधिक स्थान पाने लगे, तो जनचर्चा भी उसी दिशा में मुड़ जाती है। इससे जनता का ध्यान समस्या के समाधान से हटकर राजनीतिक विवादों में उलझ सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की सफलता का आकलन इस आधार पर किया जाए कि उससे समस्या का कितना समाधान हुआ, न कि इससे किस राजनीतिक दल को लाभ या हानि हुई। किसी भी आंदोलन की विश्वसनीयता तभी बनी रहती है, जब वह अपने घोषित उद्देश्य, नैतिक मयार्दा और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध रहे।

लोकतंत्र में राजनीति आवश्यक है, क्योंकि वही नीतियाँ बनाती है और शासन चलाती है। लेकिन राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि जनहित और राष्ट्रहित की रक्षा करना होना चाहिए। यदि हर जनआंदोलन राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा बन जाएगा, तो समाज का विश्वास कमजोर होगा और वास्तविक समस्याएँ समाधान की प्रतीक्षा करती रह जाएँगी।

आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, विपक्ष, आंदोलनकारी संगठन, मीडिया और नागरिक, सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। जब जनहित सर्वोपरि होगा और समाधान राजनीति पर भारी पड़ेगा, तभी लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सामने आएगी। आंदोलनों की दिशा भी तभी सार्थक होगी, जब उनका लक्ष्य केवल विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उप-चुनाव, बड़ा संकेत-भाजपा का अति आत्म विश्वास या बदलती तस्वीर

ऋतुपर्ण दवे

तीन अगस्त को तीन राज्यों के तीन नतीजे बहुत बड़े संकेत हैं। निश्चित रूप से बिहार का नतीजा जहाँ सत्ताधारी दल के लिए हैरान और परेशान करने वाला रहा। वहीं मध्यप्रदेश का नतीजा सत्ताधारी दल की अन्दरूनी गुटबाजी का परिणाम रहा। गुजरात में भाजपा की जीत स्वाभाविक कही जा सकती है। सबसे चर्चित जीत रही प्रशान्त किशोर उर्फ पीके की, क्योंकि राज्य की जनता को विकल्प के तौर पर एक नया दल जनसुराज जो मिल गया। पहले बिहार वासियों के पास दो ही विकल्प थे। राजद और भाजपा। राजद से मोहभंग हो गया था और पीके मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कवायद कर रहे थे। हालाकि बीते विधानसभा चुनाव में उनका एक भी प्रत्याशी नहीं जीता और वो खुद चुनाव में खड़े नहीं हुए। लेकिन बिहार की नब्ज को टटोलते रहे। इसी बीच नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी बांकीपुर सीट खाली हुई जो पीके लिए मौके पर चौका लगाने जैसा रहा। हाँ, उन्होंने छक्का जरूर जड़ दिया ये बात अलग है। बांकीपुर सीट पटना के शहरी इलाके की है जिसे शुरू से ही भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा। इस नतीजे ने न केवल यह मिथक तोड़ा बल्कि भाजपा में खलबली मचा दी। माना जा रहा है कि पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों के चलते युवाओं की नाराजगी और जंतर-मंतर पर चले लंबे आन्दोलन ने भी भाजपा की छवि पर डेन्ट लगाया। इधर भाजपा अति आत्मविश्वास में थी और यह समझने में नाकाम रही कि हवा हमेशा एक ही दिशा में नहीं बहती। चंदा चोरी और जेन-जी आन्दोलन के बीच भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारक उतार दिए। लेकिन राजद के चार सांसद तक बांकीपुर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो विदेश चले गए जिन्होंने आखीर-आखीर में रोड शो किया। लेकिन तब तक बांकीपुर के मतदाताओं को यह समझना आसान हो गया कि तेजस्वी यादव और राजद अपने उम्मीदवार को लेकर गंभीर नहीं है। संकेत साफ रहा मतदाता को कहीं और शिफ्ट होना था। विकल्प के तौर पर पढ़ा लिखा, राजनीति को समझने-जानने वाले रणनीतिकार के रूप में पीके का नाम था इसलिए ज्याद सोचने-समझने के बजाए बिहार और देश के हालातों को देखते हुए मतदाताओं ने इस छोटे से चुनाव में बड़ा संदेश दे दिया। भाजपा को नुकसान पहुंचाने में भरत तिवारी एनकाउंटर मामला भी माना जा रहा है। इस एनकाउंटर ने न केवल युवाओं बल्कि खुल कर भाजपा के सवर्ण विरोधी होने को जबरदस्त हवा दी। भाजपा के तमाम जिम्मेदारों और रणनीतिकारों ने भाजपा विरोधी माहौल को थामने और बदलने की कोशिश की पर यह हो न सका। अंततः जीत भाजपा के हाथ से निकल गई और कई दशकों से भाजपा की परंपरागत कहलाने वाली बांकीपुर और राष्टीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कारण अतिप्रतिष्ठत हुई सीट हाथ से निकल गई। अब बिहार की राजनीति को समझने वाले यह कह रहे हैं कि पीके भाजपा सरकार, विशेषकर सम्राट चौधरी के लिए सदन के अन्दर भी और बाहर भी मुश्किलें बढ़ाएंगे क्योंकि ब उनका मकसद सिर्फ विधायकी नहीं बल्कि अपनी पार्टी को बिहार में नया मुकाम जो देना है।

कमोबेश यही स्थिति मध्यप्रदेश के दतिया में रही। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से नरोत्तम मिश्रा की हार के बाद भाजपा के अन्दरूनी हलकों में कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल था। लेकिन वहां से चुने गए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा हो जाने के बाद अप्रैल में अयोग्य घोषित कर दिए जाने से हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़कर सीट को बरकरार रखा। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बिना चुनाव लड़े मुश्किल नरोत्तम मिश्रा की हुई। जिन्होंने चुनाव से काफी पहले ही प्रचार और जनसंपर्क बढ़ा दिया था। लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें टिकट नहीं मिली। जिस कारण यह सीट बहुत ही बड़ी प्रतिष्ठा का कारण बन गई। नरोत्तम मिश्रा की स्थिति न उगल पाने, न निगल पाने जैसी हो गई। यदि यहाँ से भाजपा जीतती तो उनका राजनीतिक कद घटता और अब काँग्रेस जीत गई है तो भी उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। निश्चित रूप से नरोत्तम मिश्रा का कद देखते हुए उनकी मंशा और उनके समर्थक इस मतदान के दौरान किस निर्णय पर पहुंचे होंगे, कहने की जरूरत नहीं। लेकिन नरोत्तम मिश्रा की मुसीबतें तो बढ़ीं। कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की संगठन में स्थिति और मजबूत होगी। कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव बेहद खास था क्योंकि करीब साल भर से संगठन को मजबूत करने और नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए काँग्रेस जबरदस्त संघर्ष कर रही थी। अब यह जीत संजीवनी का काम करेगी। हालाकि काँग्रेस ने चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर आजाद समाज पार्टी ने दामोदर सिंह यादव को मैदान में उतारा था फिर भी मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहा।

सर्वविदित है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व और पार्टी के चुनावी प्रबंधन के लिहाज से भी यह चुनाव भाजपा के लिए अग्नि परीक्षा माना जा रहा था, जिसमें वह विफल रही। मांजलपुर सीट से भाजपा की प्रचण्ड मतों से जीत ने पार्टी के लिए जश्न का मौका जरूर बरकरार रखा।

हाँ, कोई माने या न माने भले ही सार्वजनिक न हो लेकिन अन्दरूनी तौर पर भाजपा भी गुटबाजी से उबर नहीं पा रही है। जेन-जी आन्दोलन, पेपर लीक और भी कुछ मुद्दों पर पार्टी में अलग-अलग विचार समझ आने लगे हैं। इन चुनाव नतीजों के बाद स्थिति-परिस्थित क्या बनेगी, इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@gmail.com
website: www.alivenews.co.in

डीएवी स्कूल में नशे के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम, स्वस्थ जीवन अपनाने की दिलाई शपथ

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद के डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-14 में नशे के खिलाफ एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल स्टाफ और कर्मचारियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए विनाशकारी है। उन्होंने लोगों से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में स्कूल की प्राचार्या डॉ. अनिता गौतम, प्रशासनिक अधिकारी राकेश कुमार और यातायात प्रभारी गौरव लूथरा समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा। डॉ. वर्मा ने कर्मचारियों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन अपनाने की शपथ भी दिलाई।

उन्होंने कहा कि नशे की तस्करी से जुड़ी कोई जानकारी मिलने पर राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 या हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 पर सूचना दी जा सकती है।

बिना मान्यता वाले प्राइवेट स्कूलों पर होगी सख्त कार्रवाई

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद। सरकार के निर्देशों के बाद शिक्षा विभाग ने जिले में बिना मान्यता के संचालित प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग जल्द ही ऐसे स्कूलों की पहचान कर उन्हें नोटिस जारी करेगा। निर्धारित समय में आदेशों का पालन नहीं करने पर स्कूलों को बंद कराने के साथ एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी बसंत कुमार ढिल्लों ने कहा कि शिक्षा विभाग के निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए जिले में बिना मान्यता के संचालित सभी प्राइवेट स्कूलों की पहचान की जाएगी। जांच के बाद संबंधित स्कूलों को तत्काल नोटिस जारी कर स्कूल बंद करने के निर्देश दिए जाएंगे। यदि इसके बावजूद स्कूल बंद नहीं होता है तो उनके खिलाफ कानूनी

विषयः राज्य में संचालित गैर-मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों को तुरंत बंद करने और विभागीय आदेशों की कड़ाई से अनुपालना कराने बारे।
****
उक्त विषय के सन्दर्भ में।
आपको निर्देशित किया जाता है कि विभागीय आदेश क्रमांक 7/21-2017 PS (3) दिनांक 24.04.2025 के अंतर्गत दिए गए निर्देशों की सख्त अनुपालना करते हुए राज्य के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे समस्त गैर-मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों के विरुद्ध तुरंत कड़ा प्रशासनिक संज्ञान लें और ऐसे सभी विद्यालयों को तत्काल प्रभाव से बंद करवाएं तथा बन्द किए गए विद्यालयों की सूची इस निदेशालय में भिजवाना सुनिश्चित करें।
अधीक्षक (पी॰एस)
कृते निदेशक मौलिक शिक्षा, हरियाणा,
पंचकूला।
पृष्ठांकन क्रमांक -सम-
दिनांक, पंचकूला-
इसकी एक प्रति निम्नलिखित को आवश्यक कार्यवाही एवं सूचनार्थ प्रेषित है-

कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के दौरान स्टूडेंट की पढ़ाई और फीस का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। स्टूडेंटको अन्य मान्यता प्राप्त स्कूलों में ट्रांसफर किया जाएगा, ताकि उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

9वीं से 12वीं तक दाखिले का एक और मौका, 31 अगस्त तक ले सकेंगे एडमिशन

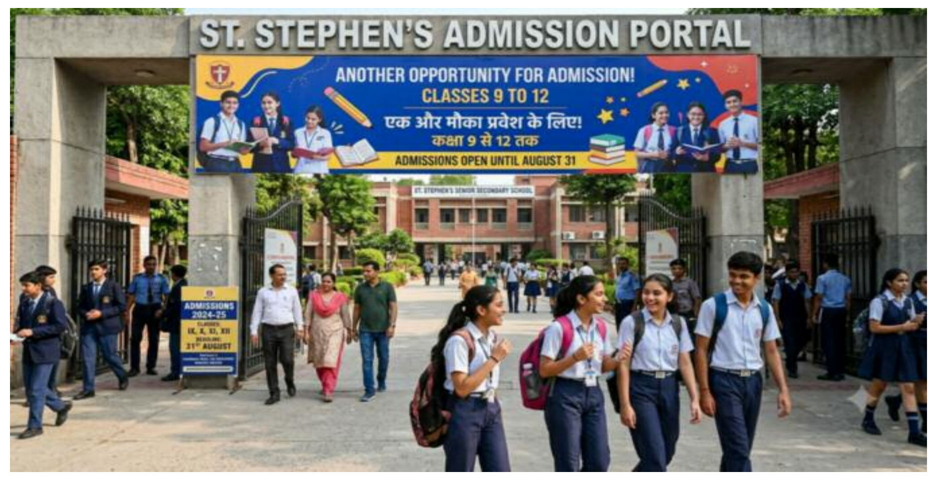

Faridabad/Alive News

प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में एडमिशन से वंचित स्टूडेंट के लिए जिला शिक्षा विभाग ने पत्र जारी कर एक और मौका दिया है। अगर कोई बच्चा नौवीं से 12वीं क्लास में किसी कारण एडमिशन नहीं ले पाया, तो वह अब एडमिशन ले सकता है। स्टूडेंट 31 अगस्त तक स्कूलों में अप्लाई कर एडमिशन ले सकते है। जिले भर में करीब 500 सरकारी और प्राइवेट स्कूल है, जिनमें 30 जुलाई से ही दाखिला प्रक्रिया बंद हो गई थी। इसके चलते कई बच्चे किसी कारण एडमिशन नहीं लेने से रह गए थे।

शिक्षा विभाग ने एक बार फिर लेटर जारी कर सभी स्कूलों को आदेश दिया है कि क्लास नौवीं से 12वीं तक में दाखिले की अंतिम तारीख 31 अगस्त कर दी गई है, ऐसे में अगर कोई भी बच्चा एडमिशन लेने आए तो तुरंत उसका एडमिशन कर दिया जाए। शैक्षिक संसाधन

एडमिशन के लिए जरूरी दस्तावेज

हरियाणा के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन लेने के लिए परिवार पहचान पत्र, बच्चे और माता-पिता का आधार कार्ड, बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, और पासपोर्ट साइज फोटो मुख्य दस्तावेज हैं।

जीवा स्कूल में पंचोत्सव प्रतियोगिता, 27 स्कूलों के 400 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

Faridabad/Alive News

सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में अंतर्विद्यालयी पंचोत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें फरीदाबाद और एनसीआर के 27 स्कूलों के करीब 400 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्ष चंद्रलता चौहान, एकेडमिक हेड मुक्ता सचदेव और प्रधानाचार्या नरजीत कौर ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। प्रतियोगिता में हिंदी-अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, नृत्य, कॉमर्स और रोबोटिक्स सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

डांस के जूनियर वर्ग में जीवा पब्लिक स्कूल प्रथम, के.आर. मंगलम स्कूल द्वितीय और डीपीएस सेक्टर-98 तृतीय रहा। विज्ञान के सीनियर वर्ग में जीवा पब्लिक स्कूल प्रथम और मनस्कृति स्कूल द्वितीय रहा। हिंदी काव्य में भी जीवा पब्लिक स्कूल प्रथम रहा। रोबोटिक्स के सीनियर वर्ग में जीवा

पब्लिक स्कूल ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि कॉमर्स प्रतियोगिता में भी जीवा पब्लिक स्कूल प्रथम रहा।प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय (च-12) प्रतियोगिताओं के मूल्यांकन के लिए विभिन्न क्षेत्रों के 20 बाहरी विशेषज्ञों को निर्णायक बनाया गया। विद्यालय अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने कहा कि पंचोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सीखने की भावना को बढ़ावा देना है।

जीवा स्कूल के छात्रों ने एफजीएस समिट 2026 में जीते सम्मान

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल के छात्रों ने एफजीएस विकसित भारत इंटरनेशनल समिट 2026 में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस मंच पर भारत के विभिन्न राज्यों से आए 175 प्रतिनिधियों के साथ दक्षिण अफ्रीका के प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया। समिट में जीवा स्कूल के छात्रों ने विभिन्न विषयों पर आयोजित चर्चा, वाद-विवाद और विचार-विमर्श कार्यक्रमों में भाग लिया। छात्रों ने अपने आत्मविश्वास, तार्किक सोच और प्रभावी संवाद कौशल से निर्णायकों और प्रतिभागियों को प्रभावित किया। विद्यालय के चार छात्रों अंशिका, आशना, अंशुमन और कुंजल को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर 'टॉप 25 वॉइसेज़ ऑफ इंडिया' में स्थान मिला। यह

उपलब्धि उनकी नेतृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल और विश्लेषणात्मक सोच को दर्शाती है।

वहीं, कक्षा 11वीं की छात्रा कुंजल को शानदार वक्तृत्व कला, प्रभावशाली प्रस्तुति और नेतृत्व क्षमता के लिए 'बेस्ट स्पीकर' फेलोशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जीवा पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि जीवा लर्निंग सिस्टम विद्यार्थियों में ज्ञान, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, भारतीय संस्कार और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करता है। उन्होंने कहा कि छात्रों की यह उपलब्धि विद्यालय और देश के लिए गर्व का विषय है।

आरटीई नियम तोड़ने वाले प्राइवेट स्कूलों पर सख्ती, एक लाख तक जुर्माना

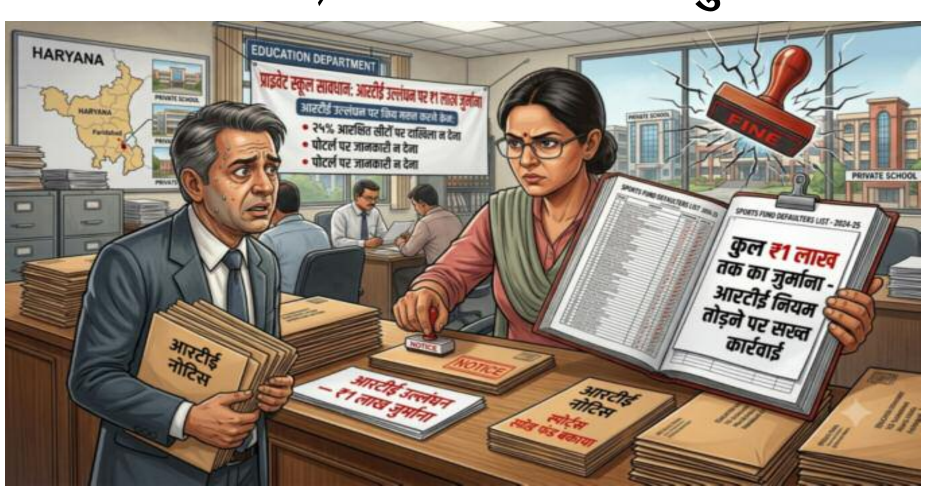

Faridabad/Alive News

हरियाणा शिक्षा विभाग ने आरटीई के तहत सीट घोषित नहीं करने वाले प्राइवेट स्कूलों पर सख्ती शुरू कर दी है। विभाग ने सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ऐसे स्कूलों की सूची तैयार कर नियमों के अनुसार कार्रवाई करें। जिन स्कूलों की एंट्री लेवल फीस छह हजार रुपये प्रतिमाह तक है, उन पर जिला स्तर पर कारण बताओ नोटिस जारी कर एक लाख रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकेगा। वहीं, छह सौ एक रुपये या उससे अधिक फीस वाले स्कूलों के मामलों में अंतिम फैसला निदेशालय स्तर पर व्यक्तिगत सुनवाई के बाद होगा। शिक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि कम संख्या वाले, सीडब्ल्यूएसएन, डे-बोर्डिंग और जिन स्कूलों में प्राथमिक कक्षाएं नहीं हैं, उन्हें इस कार्रवाई में छूट मिलेगी। ऐसे स्कूलों की अलग सूची बनाकर उनका एमआईएस पोर्टल खोलने के लिए भेजा जाएगा। सभी जिलों को संबंधित स्कूलों की रिपोर्ट, एक्सेल शीट, हार्ड कॉपी और सॉफ्ट कॉपी जल्द से जल्द निदेशालय भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

स्पोर्ट्स फंड नहीं जमा करने वाले 1,150 प्राइवेट स्कूलों को मिलेगा नोटिस

Faridabad/Alive News

जिले में स्कूलों की खेल टूर्नामेंट के लिए जरूरी स्पोर्ट्स फंड जमा न होने से शिक्षा विभाग की परेशानी बढ़ गई है। जनपद के करीब 1,400 प्राइवेट स्कूलों में से अब तक सिर्फ ढाई सौ स्कूलों ने ही स्पोर्ट्स फंड जमा कराया है। ऐसे में विभाग को टूर्नामेंट के आयोजन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब खेल टूर्नामेंट खत्म होते ही फंड जमा न करने वाले करीब 1,150 प्राइवेट स्कूलों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा।

जिला खेल अधिकारी हरवीर ने बताया कि राज्य शिक्षा विभाग के नियम के अनुसार सभी प्राइवेटस्कूलों को अपने यहां पढ़ने वाले छात्रों के हिसाब से स्पोर्ट्स फंड जमा कराना होता है। इसी फंड से जिले में अलग-अलग स्तर की

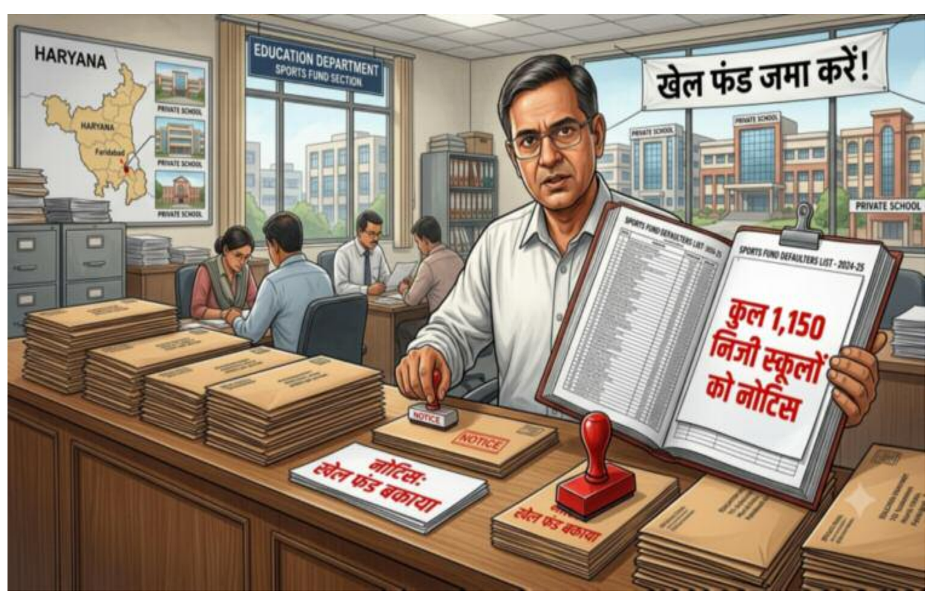

खेल टूर्नामेंटका आयोजन कराया जाता है। लेकिन इस बार बड़ी संख्या में स्कूलों ने अब तक फंड जमा नहीं किया है। किस क्लास पर कितना फंडक्लास एक से पांचवीं तक पर स्टूडेंट पांच रुपये, क्लास छह से आठवीं तक दस रुपये और नौवीं से दसवीं तक 30 रुपये पर स्टूडेंट से लेकर स्कूल को डीईओ अधिकारी को जमा करवानी होती है। वहीं, क्लास11 और 12 में आर्ट्स के स्टूडेंट लिए 60 रुपये, कॉमर्स के लिए 72 रुपये और साइंस के लिए 90 रुपये पर स्टूडेंट तय हैं। जिसे डीईओ को जमा कराई जाती है, जिससे समय पर खेल टूर्नामेंट कराया जा सके। फंड नहीं जमा किया तो होगी कार्रवाई जिला खेल अधिकारी ने बताया कि फिलहाल जिले में कई प्रकार के खेल टूर्नामेंट चलाए जा रहे है। इनके खत्म होने के बाद जिन स्कूलों ने स्पोर्ट्स फंड जमा नहीं कराया है, उन्हें नोटिस भेजा जाएगा। स्कूलों से फंड जमा न करने का कारण पूछा जाएगा। जवाब नहीं मिलने और फंड जमा न करने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर फरीदाबाद की समस्याओं पर समीक्षा, 3600 करोड़ की जल परियोजनाओं को मंजूरी

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ ग्रेटर फरीदाबाद की सड़क, पेयजल, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट, सफाई और अन्य नागरिक सुविधाओं की समीक्षा की। बैठक में नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा, उपायुक्त आयुष सिन्हा, एचएसवीपी, एफएमडीए, डीटीपी, डीएचबीवीएन और जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में सेक्टर-37 सहित कई क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि कुछ स्थानों पर पंप ऑपरेटरों के पुनर्विन्यास से जलापूर्ति प्रभावित हुई है। मंत्री ने नियमित निगरानी और पानी की समस्या का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए।

सड़क और बुनियादी ढांचे से जुड़े मामलों में सेक्टर-37, 73, 75, 76, 81, 84 और 85 सहित कई क्षेत्रों की टूटी सड़कों, गड्ढों और जलभराव की शिकायतों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर क्षतिग्रस्त सड़कों की सूची तैयार कर मरम्मत की समयसीमा तय करने को कहा गया।

लाइसेंस प्राप्त कॉलोनियों में 24 मीटर चौड़ी आंतरिक सड़कों, पार्कों, स्ट्रीट लाइट, सफाई और जल निकासी जैसी सुविधाओं की स्थिति का संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। टिगांव क्षेत्र की सड़कों, स्ट्रीट लाइट और जलभराव की अलग से समीक्षा करने को भी कहा गया।

बैठक में कई आवासीय सोसाइटियों में कॉमन एरिया मेंटेनेंस शुल्क और बिजली कनेक्शन काटने की शिकायतों पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

सामुदायिक केंद्रों, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थलों का भौतिक सत्यापन कराने तथा डेवलपर्स द्वारा तय सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने पर कार्रवाई

के निर्देश भी दिए गए।

सीवरेज और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर सभी लाइसेंस प्राप्त कॉलोनियों में एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) की कार्यशीलता और ऑनलाइन मॉनिटरिंग की संयुक्त जांच कराने का फैसला लिया गया। साथ ही अवैध रूप से सीवरेज या अपशिष्ट जल को नालों और खुले क्षेत्रों में छोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा सीवरेज टैंकरों का पंजीकरण और जीपीएस आधारित निगरानी व्यवस्था लागू करने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि 16वें वित्त आयोग के तहत फरीदाबाद नगर निगम को करीब 3600 करोड़ रुपये जल संरचना परियोजनाओं के लिए मिलेंगे। इस राशि का उपयोग पेयजल आपूर्ति, सीवरेज नेटवर्क, एसटीपी, जल निकासी व्यवस्था और जोहड़ों के पुनर्जीवन जैसे कार्यों में किया जाएगा।

इसके अलावा ग्रेटर फरीदाबाद में पार्कों, सामुदायिक सुविधाओं और डेवलपर्स की जिम्मेदारियों की निगरानी के लिए एफएमडीए, डीटीपी और नगर निगम के अधिकारियों की संयुक्त समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। यह समिति नियमित निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी।

रीजनल तीरंदाजी प्रतियोगिता में जीवा स्कूल का शानदार प्रदर्शन, तीन खिलाड़ी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयनित

Faridabad/Alive News

पंजाब के गिद्दड़बाहा में आयोजित रीजनल आर्चरी टूर्नामेंट में जीवा पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में स्कूल के तीन तीरंदाजों का चयन आगामी ष्ट्वस्ष्टश्व राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए भी हुआ है। इस प्रतियोगिता में जीवा पब्लिक स्कूल सहित 11 आईसीएसई स्कूलों के करीब 150 तीरंदाजों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबले के बीच जीवा पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर विद्यालय और फरीदाबाद का नाम रोशन किया।

अंडर-14 बालिका वर्ग में कक्षा 8 की दृष्टिका सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीते। वहीं अंडर-17 बालक वर्ग में कक्षा 10 के आरुष चंदीला ने 2 कांस्य पदक अपने नाम किए। अंडर-17 बालिका वर्ग में कक्षा 9ष्ट की नैनिका सिंह ने चौथा स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि दृष्टिका सिंह, आरुष चंदीला और नैनिका सिंह का चयन आगामी CISCE National Archery Championship के लिए हुआ है। यह उनकी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम है। विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने सभी विजेता खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों और प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों की प्रतिभा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास जताया कि स्कूल के ये खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

देशभर के स्कूलों के लिए सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र की पहल, निःशुल्क संगीत जागरूकता कार्यशालाएं होंगी आयोजित

Faridabad/Alive News

भूपानी, फरीदाबाद स्थित सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजि.) द्वारा संचालित सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र ने देशभर के विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए 'निःशुल्क संगीत जागरूकता एवं इंटरैक्टिव कार्यशाला' शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में संगीत के प्रति रुचि बढ़ाना, भारतीय सांगीतिक विरासत से परिचित कराना तथा नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों का विकास करना है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को भारतीय संगीत की मूल अवधारणाओं जैसे स्वर, लय, ताल, सप्तक, नियमित रियाज़ का महत्व, संगीत का वैज्ञानिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रभाव, व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, अनुशासन और संगीत के क्षेत्र में करियर के अवसरों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही लाइव संगीत प्रदर्शन, संवादात्मक गतिविधियों और प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को संगीत से आत्मीय रूप से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र का कहना है कि संगीत केवल एक कला नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार संवर्धन और आत्मिक उन्नयन का प्रभावी माध्यम है। इन कार्यशालाओं के जरिए विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, सांस्कृतिक चेतना और मानवता के मूल्यों को विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। संस्था के अनुसार, सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र की देशभर में 22 शाखाएं संचालित हैं, जिन्हें प्रयाग संगीत समिति, प्रयागराज से मान्यता प्राप्त है। इन केंद्रों में हर वर्ष हजारों विद्यार्थी संगीत की परीक्षाएं उत्तीर्ण कर प्रभाकर जैसी प्रतिष्ठित उपाधियां प्राप्त करते हैं। कई विद्यार्थी संगीत शिक्षक, रेडियो और टीवी कलाकार सहित विभिन्न क्षेत्रों में सफल करियर बना चुके हैं।

संस्था ने देशभर के विद्यालयों के प्राचार्यों से अपील की है कि वे अपने विद्यालय में इस निःशुल्क कार्यशाला का आयोजन कराने के लिए अपनी सुविधानुसार तिथि निर्धारित कर संपर्क कर स्लॉट आरक्षित कराएं।

बल्लभगढ़-सोहना रेलवे पुल पर गहरे गड्ढों से रोज लग रहा जाम, लोगों की बढ़ी परेशानी

Faridabad/Alive News

बल्लभगढ़-सोहना रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) पर बारिश के बाद बने बड़े-बड़े गड्ढों ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गड्ढों के कारण पुल पर रोजाना लंबा ट्रैफिक जाम लग रहा है और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस महीने हुई बारिश के बाद पुल की सड़क जगह-जगह टूट गई है। कई गड्ढे इतने बड़े हो गए हैं कि उनमें वाहन फंस जाते हैं या बंद हो जाते हैं। इसके कारण पुल से लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग तक कई किलोमीटर लंबा जाम लग रहा है।

जाम का असर बस अड्डा से सोहना चौक, गुरुग्राम नहर से सोहना चौक और 100 फुट रोड तक देखा जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस को कई बार गड्ढों में फंसे वाहनों को धक्का लगाकर निकालना पड़ता है। ऐसे में पुलिसकर्मी चौक पर ट्रैफिक संभालने के बजाय पुल पर यातायात सुचारु कराने में व्यस्त रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि गड्ढों को जल्द भर दिया जाए या सड़क की मरम्मत कर दी जाए तो ट्रैफिक जाम की समस्या काफी हद तक खत्म हो सकती है। उनका आरोप है कि लोक निर्माण विभाग (PWD) इस समस्या पर समय रहते ध्यान नहीं दे रहा है।

लोगों का कहना है कि पुल दो लेन का है, लेकिन गड्ढों के कारण एक लेन से ही वाहनों की आवाजाही हो रही है। इससे हर दिन लंबा जाम लग रहा है और दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है।

इस मामले में पीडब्ल्यूडी के उपमंडल अधिकारी रवि इंद्र सिंह ने कहा कि कुछ समय पहले पुल की सड़क की मरम्मत कराई गई थी। बारिश के बाद दोबारा गड्ढे बनने की जानकारी मिली है। जल्द मौके का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कराई जाएगी।

स्वयं सहायता समूहों को डेयरी के लिए 500 वर्ग गज तक शामलात भूमि मिलेगी, 5 साल की होगी लीज

Faridabad/Alive News

हरियाणा सरकार ने स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए नई योजना शुरू की है। इसके तहत HSRLM से पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों को ग्राम पंचायत की 500 वर्ग गज तक शामलात भूमि डेयरी स्थापित करने के लिए 5 वर्ष की लीज पर दी जाएगी।

सीईओ जिला परिषद शिखा ने बताया कि यदि डेयरी का संचालन संतोषजनक पाया जाता है और HSRLM की ओर से प्रमाणन मिलता है, तो लीज की अवधि 3 वर्ष और बढ़ाई जा सकती है।

योजना का लाभ केवल उन स्वयं सहायता समूहों को मिलेगा जो HSRLM में पंजीकृत हों, कम से कम एक वर्ष से सक्रिय हों, नियमित बचत और ऋण का रिकॉर्ड रखते हों तथा समूह के सभी सदस्य संबंधित ग्राम पंचायत के निवासी हों। समूह में कम से कम 10 सदस्य होना और बैठकों में 75 प्रतिशत

उपस्थिति भी जरूरी होगी। यदि एक से अधिक समूह आवेदन करते हैं, तो ग्राम स्तरीय समिति लॉटरी के माध्यम से चयन करेगी। इच्छुक समूह ग्राम पंचायत, बीडीपीओ या सीईओ जिला परिषद कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। ग्राम पंचायत और ग्राम सभा की मंजूरी के बाद प्रस्ताव डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता वाली समिति के पास भेजा जाएगा। शिखा ने कहा कि इस योजना से ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

श्रीसिद्धदाता आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव, गुरु भक्ति में सराबोर रहे श्रद्धालु

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड रोड स्थित श्रीलक्ष्मीनारायण दिव्यधाम-श्रीसिद्धदाता आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव-2026 के दूसरे दिन श्रद्धा, भक्ति और समर्पण का अद्भुत माहौल देखने को मिला। देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आश्रम पहुंचे और गुरु चरणों में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत वैकुंठवासी श्रीमद जगदगुरु स्वामी सुदर्शनाचार्य जी महाराज की समाधि पर पुष्पांजलि, पूजा-अर्चना और जनकल्याण के लिए हवन से हुई। यह आयोजन श्रीमद जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुआ।

अपने प्रवचन में स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है और इसे ईश्वर भक्ति व सद्गुरु के मार्गदर्शन में सार्थक बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति गुरु और परमात्मा के प्रति पूर्ण समर्पित हो जाता है, उसे जीवन के कष्टों से मुक्ति का मार्ग मिलता है। गुरु का ज्ञान और मार्गदर्शन जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक उन्नति का आधार है।

इस अवसर पर आशा गर्ग द्वारा लिखित पुस्तक 'भाव पुष्प' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में फरीदाबाद की महापौर प्रवीण जोशी, पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, पूर्व विधायक ललित नागर, आईएएस अशोक शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर आशीर्वाद लिया।

समारोह में जयपुर के प्रसिद्ध भजन गायक संजय पारिख और आश्रम के मुख्य पुजारी रमाकांत ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

फरीदाबाद में HSVP देगा वन विभाग को दोगुनी जमीन, अरावली में विकसित होगा नया हरित क्षेत्र

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद में अरावली वन क्षेत्र में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (HSVP) की करीब 67 एकड़ भूमि के उपयोग के बदले अब वन विभाग को दोगुनी वैकल्पिक जमीन दी जाएगी। इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार ने वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अंतिम स्वीकृति की प्रक्रिया अभी जारी है। HSVP इस प्रक्रिया के तहत 57 करोड़ रुपये वन विभाग के पास जमा करा चुका है।

जिमखाना क्लब और ग्रुप हाउसिंग परियोजनाएं शामिल

अरावली क्षेत्र में HSVP के जिमखाना क्लब, ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी और अन्य निर्माण वन भूमि की सीमा में आने के कारण इनके नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद वन विभाग ने रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेजी थी। इसके बाद HSVP को निर्माण हटाने या उसके बदले वैकल्पिक जमीन देने का निर्देश दिया गया।

लेजर वैली में बनेगा नया वन क्षेत्र

वन विभाग के अनुसार, HSVP लेजर वैली पार्क क्षेत्र में वन विभाग को वैकल्पिक भूमि देगा। इस जमीन पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर घना वन विकसित किया जाएगा। इससे हरियाली बढ़ेगी, पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी और आसपास के लोगों को बेहतर वातावरण मिलेगा।

पहले भी हटाए गए थे अवैध निर्माण

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के पालन में पिछले वर्ष अरावली क्षेत्र में बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई थी। इस दौरान फार्म हाउस, बैंक्वेट हॉल और मैरिज गार्डन सहित करीब 240 अवैध निर्माण हटाए गए थे। इससे लगभग 261 एकड़ वन भूमि अतिक्रमण मुक्त हुई थी।

हालांकि, अनंगपुर गांव से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित होने के कारण कुछ कार्रवाई पर फिलहाल रोक है। इसके बावजूद वन विभाग नए अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखे हुए है।

वन विभाग का बयान

वन मंडल अधिकारी झलकार उयाके ने बताया कि 67 एकड़ वन भूमि के बदले नियमानुसार दोगुनी वैकल्पिक जमीन वन विभाग को दी जाएगी। लेजर वैली में इस भूमि पर पौधारोपण कर नया हरित क्षेत्र विकसित किया जाएगा। भूमि डायवर्जन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए संबंधित तहसील को भी पत्र भेज दिया गया है।

12 सितंबर को फरीदाबाद में लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

Faridabad/Alive News

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), फरीदाबाद की ओर से 12 सितंबर 2026 (शनिवार) को जिला न्यायालय परिसर, सेक्टर-12 में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसका आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं डीएलएसए के चेयरमैन संदीप कुमार गर्ग के मार्गदर्शन तथा सीजेएम एवं डीएलएसए के सचिव जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में होगा।

सीजेएम जितेंद्र सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का आपसी सहमति से त्वरित, सरल और कम खर्च में निपटारा करना है। उन्होंने कहा कि यह वैकल्पिक विवाद निवारण की प्रभावी व्यवस्था है, जिससे पक्षकार बिना लंबी न्यायिक प्रक्रिया के अपने विवादों का समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना दावा (एमएसीटी), वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, दीवानी मामले, जमानती (कंपाउंडेबल) फौजदारी मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामले, आपसी सहमति वाले जल बिल विवाद, राजस्व संबंधी मामले, ट्रैफिक चालान, समरी चालान तथा अन्य समझौता योग्य मामलों का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम जितेंद्र सिंह ने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने लंबित मामलों के समाधान के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं और संबंधित न्यायालय या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में किसी प्रकार की कोर्ट फीस नहीं लगती। यदि पहले कोर्ट फीस जमा की गई है तो नियमानुसार उसे वापस भी किया जाता है।

उन्होंने यह भी बताया कि लोक अदालत में दिया गया निर्णय अंतिम होता है और उसके खिलाफ अपील नहीं की जा सकती। इससे विवादों का स्थायी और त्वरित समाधान होने के साथ-साथ न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ भी कम होता है।

सेक्टर-7/8 स्कूल में पॉक्सो जागरूकता शिविर

Faridabad/Alive News

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के निर्देशानुसार तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के चेयरमैन संदीप कुमार गर्ग के मार्गदर्शन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-7/8, फरीदाबाद में 'बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012' विषय पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया कार्यक्रम में सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव जितेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर में विद्यालय के प्राचार्य, लीगल लिटरेसी इंचार्ज, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। सीजेएम जितेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के उद्देश्य, इसके प्रमुख प्रावधानों, अपराध की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया और बच्चों को कानून के तहत मिलने वाले अधिकारों के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु का प्रत्येक व्यक्ति कानून की नजर में बच्चा है और किसी भी प्रकार के यौन अपराध की जानकारी मिलने पर बिना डर के पुलिस, अभिभावकों, शिक्षकों या संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचना देनी चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रक्षा अधिवक्ता रविन्द्र गुप्ता ने कहा कि पॉक्सो अधिनियम के तहत किसी भी

बच्चे के साथ हुए यौन अपराध की जानकारी संबंधित अधिकारियों को देना हर नागरिक का कानूनी दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को निःशुल्क विधिक सहायता, सपोर्ट पर्सन और मॉडल स्कीम फॉर लीगल एड टू चाइल्ड विक्टिम्स के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान सीजेएम जितेंद्र सिंह ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के विशाल पौधारोपण अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधा भी लगाया। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने बाल सुरक्षा और पॉक्सो अधिनियम से जुड़े कई प्रश्न पूछे। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्राचार्य केशव शुक्ला और लीगल लिटरेसी इंचार्ज बांके बिहारी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को कानून की जानकारी देने के साथ-साथ उनके अधिकारों के प्रति जागरूक और आत्मविश्वासी बनाते हैं।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@gmail.com
website: www.alivenews.co.in

फरीदाबाद में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए संगीतमय सुंदरकांड पाठ, स्वस्थ जीवन की कामना की गई

Faridabad/Alive News

थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों के स्वस्थ जीवन और लंबी आयु की कामना के उद्देश्य से फाउंडेशन अगेंस्ट थैलेसीमिया (रजि.), फरीदाबाद की ओर से सेरेमनी होटल एंड बैंक्वेट्स में विश्व प्रसिद्ध भजन गायक सुनील ध्यानी और मंजीत ध्यानी द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम से बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की। कार्यक्रम में समाजसेवक मोहन सिंह भाटिया और अनीता जैन ने भजन गायकों सुनील ध्यानी और मंजीत ध्यानी का शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 301 से अनीता जैन, अमिता सिंह, संगीता सिंह, संदीपिका वशिष्ठ, संजना गर्ग, ललिता शर्मा, सुषमा सेतिया सहित कई समाजसेवी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ सेंट्रल की प्रधान रोटेरियन शशि अग्रवाल की ओर से भेजे गए उपहार थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को वितरित किए गए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। वहीं संस्था के सहयोगी डॉ. आई.के. बंसल के पुत्र हृदयांश का जन्मदिन भी बच्चों के साथ सादगी और सेवा भावना के साथ मनाया गया।

फाउंडेशन अगेंस्ट थैलेसीमिया के महासचिव रविन्द्र डुडेजा ने लोगों को थैलेसीमिया के कारणों, बचाव, समय पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता और नियमित रक्तदान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विवाह से पहले और गर्भावस्था के दौरान थैलेसीमिया की जांच कराना इस बीमारी की रोकथाम का सबसे प्रभावी तरीका है। साथ ही उन्होंने लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त किसी थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे को नया जीवन दे सकता है।

कार्यक्रम के अंत में फाउंडेशन अगेंस्ट थैलेसीमिया (रजि.) के प्रधान बी. दास गुलाटी और जे. के. भाटिया ने सभी भजन प्रेमियों, अतिथियों, समाजसेवियों, सहयोगियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग और सेवा भावना से ही थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों का भविष्य सुरक्षित और खुशहाल बनाया जा सकता है।

डायनेस्टी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह, देशभक्ति के रंग में रंगे विद्यार्थी

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद के सेक्टर-28 स्थित डायनेस्टी इंटरनेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में स्कूल की निदेशिका कल्पना वर्मा और नितिन वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर कल्पना वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए देश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को नमन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के महत्व को समझने और देश की एकता, अखंडता व प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। नितिन वर्मा ने भी विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें अनुशासन, मेहनत और राष्ट्रप्रेम के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों में देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम ने बच्चों को देश के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझने के लिए प्रेरित किया।

फरीदाबाद से दिल्ली मेट्रो सफर में लगेगा ज्यादा समय, 10 स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ी

Faridabad/Alive News

स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को देखते हुए फरीदाबाद के मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। 9 से 16 अगस्त तक यात्रियों को कड़ी सुरक्षा जांच के बाद ही मेट्रो स्टेशन में प्रवेश दिया जाएगा। ऐसे में फरीदाबाद से दिल्ली की ओर रोजाना मेट्रो से सफर करने वाले यात्रियों को अगले कुछ दिनों तक सामान्य से ज्यादा समय लेकर घर से निकलने की सलाह दी गई है। फरीदाबाद में वायलेट लाइन के सराय से राजा नाहर सिंह स्टेशन के बीच कुल 10 मेट्रो स्टेशन हैं। स्वतंत्रता दिवस से पहले इन सभी स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है। स्टेशन के प्रवेश द्वार पर यात्रियों की जांच के साथ उनके बैग और सामान की भी तलाशी ली जाएगी। स्टेशन परिसर के अंदर भी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई है। प्लेटफॉर्म, प्रवेश-निकास और यात्रियों की आवाजाही वाले क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीआईएसएफ के जवान लगातार निगरानी करेंगे। कड़ी सुरक्षा जांच के कारण सुबह और शाम के व्यस्त समय में मेट्रो स्टेशनों के बाहर और प्रवेश द्वार पर यात्रियों की कतार लंबी हो सकती है। सामान की जांच और यात्रियों की स्क्रीनिंग में अतिरिक्त समय लगने की संभावना है। इसलिए यात्रियों को सलाह दी गई है

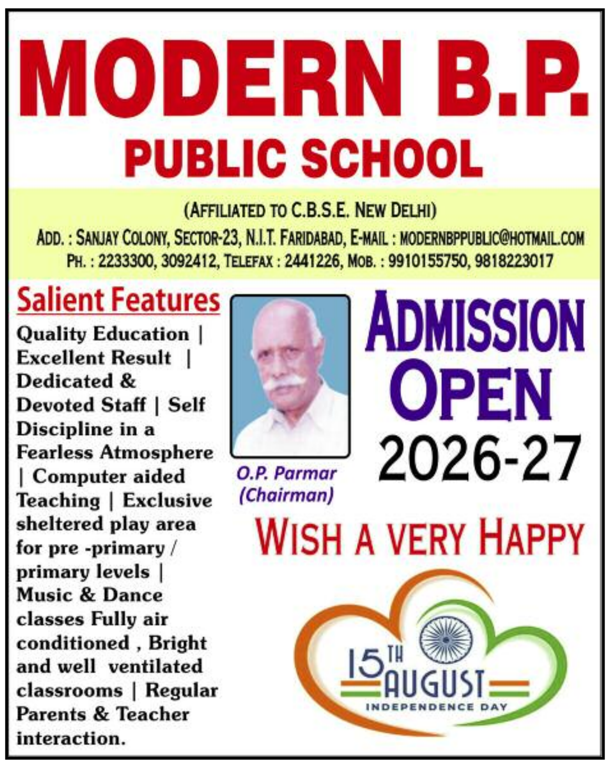

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448